Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–226

B.A. (Part–II) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - I

(मध्यकालीन राजस्थानी काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (उत्तर सीमा **50** सबद)। हरेक सवाल 2 अंक रो है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (उत्तर सीमा **200** सबद)। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (उत्तर सीमा **500** सबद)। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

खण्ड–अ

1. साव छोटा सवाल। सगळा रौ पडूत्तर लिखणौ है।

   (i) 'नागदमण' कुणसी सदी मांय लिखियोड़ी रचना है ?

   (ii) 'नागदमण' रा रचनाकार नै किण राज्य में राज्याश्रय मिळियौ ?

(iii) 'नागदमण' काव्य मांय श्रीकृष्ण रै जीवण री कुणसी महताऊ घटना रौ वरणन हुयौ है ?

(iv) 'नागदमण' मांय खासतौर सूं कुणसा छंद रौ प्रयोग हुयौ ?

(v) 'नागदमण' राजस्थानी भाषा री कुणसी सैली मांय रचियोड़ौ काव्य है ?

(vi) 'राजिया रा सोरठा' रा सिरजणहार कुण है ?

(vii) 'राजिया रा सोरठा' खासतोर सूं किण मांत रा सोरठा है ?

(viii) 'राजिया रा सोरठा' मांय खासतौर सूं कुणसा अलंकार रौ प्रयोग हुयौ है ?

(ix) 'सोरठा' दूहा मांय किती मात्रावां हुवै ?

(x) 'सुख में प्रीत सवाय, दुख में मुख टाळौ दियै।' इण पंक्ति मांय कुणसी वयण-सगाई रौ प्रयोग हुयौ ?

खण्ड–ब

नोट :– किणी **पांच** सवालां रा जवाब लिखौ।

2. नीचै लिख्यां पद्यांस री सप्रसंग व्याख्यां करो–

जदुनाथ काळी समा बाथ जोड़ै

घणी भोम चाली चढी बात घोड़ै

ऊमा गाय गोवाळ झूरंत आरै

हाहाकार हक्कार संसार सारै॥

3. नीचै लिख्यां पद्यांस री सप्रसंग व्याख्यां करो–

इसौ आज तें कौण भूलोक आछौ

काळीनाग सू जुद्ध संग्राम काछौ

चढ़ै कूंण काळी तंणी सीम चांपै

काळी नाग हूं आज ही कंस कांपै॥

4. नीचै लिख्यां पद्यांस री सप्रसंग व्याख्यां करो–

मुख ऊपर मिठियास, घट मांही खोटा घड़ै

इसड़ा सूं इखळास, राखीजै नह राजिया॥

अहळा जाय उपाय, आछोड़ी करणी अहर

दुष्ट किणी ही दाय, राजी हुवै न राजिया॥

5. नीचै लिख्यां पद्यांस री सप्रसंग व्याख्या करो–

उपजावै अनुराग, कोयल मन हरखित करै

कड़वौ लागै काग, रसना रा गुण राजिया॥

साचौ मित्र सचेत, कहयौ काम न करै किसौ

हर अरजण कै हेत, रथकर हाक्यौ राजिया॥

6. राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रै भाव-पख री विरोळ करो।

7. 'राजिया रा सोरठा' काव्य रै कला-पख री विरोळ करो।

8. राजस्थानी काव्य 'नागदमण' रै मुजब श्रीकृष्ण अर नागण रै संवाद नै आपरै सबदां मांय मांडौ।

खण्ड–स

नोट :– किणी **दो** सवालां रा जवाब लिखौ। पडूत्तर सबद सीमा **500** सबद।

9. ''राजस्थानी काव्य 'नागदमण' भगती-काव्य परम्परा रौ सबळौ ग्रंथ है।'' दाखला दैय'र इण कथन रौ खुलासो करो।

10. 'नागदमण' रा रचनाकार सांयाजी झूला रौ व्यक्तित्त्व अर कृतित्व उजागर करो।

11. 'राजस्थानी नीति-काव्य परम्परा मांय 'राजिया रा सोरठा' लोक में घणां चावा है।' दाखला दैय'र इण कथन री सारथकता सिद्ध करो।

12. 'राजस्थानी नीति-काव्य' 'राजिया रा सोरठा' री आलोचनात्मक विवेचना करो।